लिये नगरपालिकाओं के लगातार निष्पक्ष चुनाव कराये जाते रहे हैं, विभिन्न नगर पालिकाओं का निर्माण किया गया है जिनमें आरक्षित स्थानों की विधिवत व्यवस्था की गई हैं तथा नगरीय स्थानीय निकाय सुचारू रूप से अपने काम करते रहें, इसके लिये उन्हें समुचित सहयोग दिये गये हैं तथा आवश्यक परिवर्तन भी किये गये हैं।

लगातार चुनाव कराये जाने की व्यवस्था में बहुत सुधार हुआ है। अधिकतर राज्यों से प्राप्त होने वाली सूचनाओं से पता चलता है कि अब चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष होने लगे हैं। यद्यपि संशोधनों एवं सुधारों की संभावनाओं से कभी इनकार नहीं किया जा सकता। यू.एन.डी.पी. की रिपोर्ट के अनुसार सरकारों द्वारा स्थानीय निकायों के चुनावों में संशोधन करने की सिफारिशों को स्वीकार किया गया है इनमें चुनाव संबंधी कानूनों का विश्लेषण करना, स्थानीय निकायों की क्षमताओं में वृद्धि करना नागरिक शिक्षा पर अधिक ध्यान देना चुनावों के समयों का समुचित निर्धारण करना आदि कार्य शामिल हैं जो स्थानीय निकायों के चुनावों में निरन्तर सुधार लाने तथा उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने, लैंगिक समानता का ध्यान रखने तथा कुल मिलाकर अच्छे प्रबंधन को अपनाने पर जोर देना शामिल है।

5.10 शब्दावली

विकेंद्रीकरण – प्रशासनिक विकेंद्रीयकरण से शक्तियों का पुनविभाजन होता है। जिम्मेदारियों तथा वित्तीय संसाधनों को जन सामान्य के हितों में सरकार इस्तेमाल करने लगती है।

यह एक प्रकार से जिम्मेदारियों का हस्तांतरण है। केंद्र सरकार से तथा उसकी एजेंसियों को निचले स्तर पर मौजूद सरकारी एजेंसियों की इकाईयों के पास पहुँचाया जाता है और सहयोगी प्रशासनिक इकाइयां, अधीनस्थ इकाईयाँ अथवा अर्धस्वायत सार्वजनिक अधिकारियों अथवा सहकारिताओं या क्षेत्र–वार क्षेत्रीय अथवा कार्यरत अधिकारियों को प्रदान की जाती है।

नामांकन – सार्वजनिक पद सम्हालने के लिए चुनाव लड़ने की प्रत्याशिता प्राप्त करने के लिए जिस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, उसका पहला चरण नामांकन कहलाता है।

चुनाव अधिकारी – क्रमिक तथा निष्पक्ष चुनाव करवाने के दायित्व का समत्ता से निर्वहन करने वाला अधिकारी चुनाव अधिकारी कहलाता है।

निर्वाचन अधिकारी – वह अधिकारी जो किसी निर्वाचन क्षेत्र विशेष की चुनाव प्रक्रिया को नियंत्रित करता है उसे निर्वाचन अधिकारी कहा जाता है।

चुनाव – चुनाव वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा जनता अपने बीच से जन–प्रतिनिधियों का चुनाव करती है।

जनता द्वारा चुने गये प्रतिनिधि ही विभिन्न स्तरों पर सत्ता का दायित्व सम्भालते है तथा प्रशासनिक कार्यों को दिशा व नेतृत्व प्रदान करते हैं।

मेयर – मेयर का कार्यालय नगर निगम के सभापति की भूमिका अदा करता है, साथ ही नगर निगम के सभी उत्सवों में शीर्ष स्थान ग्रहण करता है, उसे नगर का प्रथम नागरिक कहा जाता है।

नगर निगम – नगर निगम एक नगरीय क्षेत्र का स्थानीय निकाय है जो दस लाख से ज्यादा की जनसंख्या वाले नगरीय क्षेत्र के प्रशासनिक कार्य देखता हूँ।

नगरीकरण – ग्रामीण आंचलों से निरंतर लोग नगरीय क्षेत्रों में आते रहते हैं। इस प्रक्रिया के चलते दुनियां के विभिन्न देशों में ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी घटती जा रही है। समाज इस परिवर्तन को स्वीकार कर रहा है। अतः यह प्रक्रिया जारी है – यही नगरीकरण है।

5.11 संदर्भ लेख

Government of India.(2018). *Statistical Year Book India*. Retrieved from http://mospi.nic.in/publication/statistical-year-book-india

ICRIER.(2009). *State of Municipal Finances in India. A Study Prepared for the Fifteenth Finance Commission*. Retrieved from https://fincomindia.nic.in/writereaddata/html_en_files/fincom15/StudyReports/State%20of%20Municipal%20Finances%20in%20India.pdf

Idicula, M. (23rd August, 2016). Should mayors be directly elected?*The Hindu*. Chennai.

Lama-Rewal, S.T. (2009).*Studying Elections in India: Scientific and Political Debate*. Retrieved from https://journals.openedition.org/samaj/2784?file=1

Maringanti, A. (9th December, 2020). In Hyderabad municipal poll, critical issues got lost. Retrieved from https://indianexpress.com/article/opinion/columns/greater-hyderabad-municipal-corporation-elections-trs-aimim-bjp-hinhu-nationalism-7097166/

Municipal Corporation, *Chandigargh. Election Procedure*. Retrieved from http://mcchandigarh.gov.in/?q=election-procedure

Parchure, P. &Taule. (2017).Why people do not vote in Municipal Corporation elections: A BMC Study. Pune, India: Gokhale Institute of Politics and Economics.

Priyam, M. (2015) Electing the Ruling Party and the Opposition: Voter Deliberations from SangamVihar, Delhi, LokSabha Elections 2014. *Studies in Indian Politics.* 3(1), 94-110.

The Punjab State Election Commission Act, 1994. Retrieved from http;/www.bareactslive.com/pun/pu/htm

5.12 बोध प्रश्नों के उत्तर

बोध प्रश्न 1

1) आपका उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहियेः

- भाग 5.4 का अध्ययन कीजिये।

2) आपका उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहियेः

- स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए नियम बनाना, किसी व्यक्ति की बुलाना, दस्तावेज, साक्ष्य प्राप्त करना तथा किसी भी सार्वजनिक दस्तावेज की माँग करना।

बोध प्रश्न 2

1) आपका उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहियेः

- वार्डो की सीमांकन
- मतदाता सूची तैयार करना
- निर्वाचन अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति

2) आपका उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहियेः

- रिश्वत
- मतदाताओं को प्रभाव करना
- समुदायों के बीच शत्रुता की भावना पैदा करना और
- मतदान केंद्र पर कब्जा करना।